# हिन्दी सप्ताह की रिपोर्ट

(दिनांक 14.9.2006 से 20.9.2006)

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान , रूड़की में हर वर्ष की भॉति दिनांक 14 सितम्बर , 2006 को हिन्दी दिवस तथा इसी दिन से शुरू कर दिनांक 20 सितम्बर, 2006 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया।

हिन्दी दिवस / सप्ताह के आयोजन के लिए सर्वप्रथम निदेशक महोदय ने विभिन्न समितियाँ गठित कर उन्हें अलग-अलग जिम्मेवारियाँ सौंपी । सभी समितियों ने यथानिर्देश अपना कर्तव्य-निर्वहन किया तथा हिन्दी दिवस/सप्ताह बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया ।

हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन हिन्दी दिवस के ही दिन अर्थात् 14 सितम्बर, 2006 को संस्थान के सभागार में किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. के. गणेश बाबू , निदेशक केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूड़की थे । प्रोफेसर गणेश बाबू ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हमें अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए । हिन्दी सप्ताह के दौरान संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार व विकास को ध्यान में रखते हुए सप्ताह भर हिन्दी की नोटिंग/ड्राफ्टिंग , काव्य पाठ, वाद-विवाद, आशुभाषण , लिखित प्रश्नोत्तरी, मौखिक प्रश्नोत्तरी, हिन्दी टंकण तथा हिन्दी आशुलिपि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इन सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

**हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह 20 सितबर, 2006 को आयोजित किया गया जिसमें श्री मनोहरलाल शर्मा, उपाध्यक्ष ( राज्य मंत्री ) आवास विकास एवं पेयजल, उत्तरांचल शासन मुख्य अतिथि थे ।**

समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान के उन सभी पदाधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किये जिन्होंने हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया । इस अवसर पर उन्होंने ग्राम मेहवड़कलाँ, रूड़की के उन 14 स्कूली बच्चों को भी पुरस्कृत किया जिन्होंने संस्थान द्वारा 13 मार्च, 2006 को इस ग्राम में **"जल संरक्षण"** विषय पर महिलाओं के लिए संचालित कार्यशाला में आयोजित ड्राइंग, काव्य-पाठ तथा भाषण प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया ।

इसी अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने कर-कमलों द्वारा संस्थान की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **" प्रवाहिनी"** का विमोचन भी किया । अपने ज्ञानमयी ओजस्वी वक्तव्य के माध्यम

से मुख्य अतिथि ने सभी पदाधिकारियों का आहवान किया कि वे अपना सरकारी कामकाज यथासंभव हिन्दी में करें और दूसरों के लिए प्रेरणा - स्रोत बनें । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. कपिल देव शर्मा ने भी समस्त प्रतिभागियों तथा स्कूली बच्चों को पुरस्कार अर्जित करने पर हार्दिक बधाई दी तथा कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे अपना ज्यादा से ज्यादा सरकारी काम हिन्दी में ही करें ।

**इस प्रकार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मन में हिन्दी के प्रति अनुकूल रूझान पैदा करने तथा कार्यालय में एक सकारात्मक वातावरण उत्पन्न करने के उद्देश्य से यह सप्ताह पूर्ण रूप से सफल एवं सार्थक रहा ।**

*******